आगरा में बनेगा एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर

अमर उजाला ब्यूरो

1058 एकड़ में एनआईसीडीसी और यूपीसीडा करेंगे विकसित

हटाए जाएंगे 1595 पेड़

इस क्लस्टर के लिए 1595 पेड़ों को हटाया जाएगा। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट की अनुमति का इंतजार है। यूपीसीडा के अधिशासी अभियंता श्योदान सिंह ने बताया कि इस प्रोजेक्ट का सीधा फायदा उद्योग जगत को होगा। इस क्लस्टर में फैक्टरी लगेगी। इससे आसपास के लोगों को रोजगार मिलेगा।

लखनऊ। ताजमहल के लिए पहचाने जाने वाला आगरा अब औद्योगिक रूप से भी अपनी छाप छोड़ेगा। इसके लिए आगरा में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (आईएमसी) यानी एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर विकसित किया जाएगा। हाल ही में कैबिनेट बैठक में इस प्रोजेक्ट के लिए राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) व उप्र. राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के बीच शेयर होल्डिंग एग्रीमेंट को मंजूरी दी गई है। इससे उम्मीद है कि आगरा के विकास को रफ्तार देने वाला ये प्रोजेक्ट अब गति पकड़ेगा।

आगरा के रहन कला और कुबेरपुर में 1058 एकड़ जमीन पर ये क्लस्टर विकसित किया जाएगा। पूर्व में यह जमीन थीम पार्क के लिए ली गई थी। यह जमीन यमुना एक्सप्रेसवे, लखनऊ एक्सप्रेसवे व अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के नजदीक है।

इसके लिए इगिस इंटरनेशनल एसए फ्रांस, इगिस इंडिया कंसल्टिंग इंजीनियर्स प्रालि. गुरुग्राम, सीबीआरई साउथ एशिया प्रालि. गुरुग्राम को सलाहकार नियुक्त किया गया है। इस प्रोजेक्ट को कार्यदायी संस्था नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट एंड इम्प्लीमेंटेशन ट्रस्ट और यूपीसीडा मिलकर विकसित करेंगे।